



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 466]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 18, 2005/कार्तिक 27, 1927

No. 466]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 18, 2005/KARTIKA 27, 1927

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 नवम्बर, 2005

सा.का.नि. 674(अ).—औषधि और प्रसाधन सामग्री नियमावली, 1945 का और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का प्रारूप सं. सा.का.नि. 334(अ) दिनांक 25-5-2005 के तहत भारत के राजपत्र असाधारण भाग-II, खंड 3, उप-खंड (i) दिनांक 25 मई, 2005 में औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 (1940 का 23) की धारा 33-ड की अपेक्षानुसार तथा इस अधिसूचना को मुद्रित करने वाले राजपत्र की प्रतियां जिस तारीख को जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं उससे 30 दिनों के गुजरने के भीतर इससे प्रभावित होने वाले व्यक्तियों के सुझावानुसार प्रकाशित किया जाता है;

और उक्त राजपत्रित अधिसूचना 25 मई, 2005 को जनता में उपलब्ध करा दी जाती है।

उक्त प्रारूप पर जनता के आक्षेपों व सुझावों पर केन्द्र सरकार द्वारा विचार किया गया है। अतएव अब केन्द्र सरकार उक्त अधिनियम की धारा 33-ड द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए औषधि और प्रसाधन सामग्री नियमावली, 1945 में एतद्वारा निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उपयुक्त विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर, उक्त प्रारूप नियमों की बाबत किसी व्यक्ति से कोई सुझाव या आक्षेप प्राप्त होने पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

नियम

1. (1) ये नियम औषधि और प्रसाधन सामग्री (संशोधन-VII) नियम, 2005 कहें जा सकेंगे।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. औषधि और प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 में,—

नियम 160 ख के उपनियम (2) खंड (ii) में उपखंड (ख) के स्थान पर आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी औषधियों के परीक्षण-विश्लेषणार्थ निम्नलिखित को रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(i) आयुर्वेद या सिद्ध या यूनानी औषधि में ऐसे विशेषज्ञ जिसके पास भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् अधिनियम, 1970 की अनुसूची II के अधीन मान्यताप्राप्त डिग्री अर्हता है;

(ii) रसायनज्ञ, जिसके पास किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई कम से कम विज्ञान या फार्मेसी या फार्मेसी (आयुर्वेद) में स्नातक डिग्री हो;

और

(1)

- (iii) वनस्पतिज्ञ [फार्मोकोगनोसिस्ट]जिसके पास किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई कम से कम विज्ञान (चिकित्सा) या फार्मैसी या फार्मैसी (आयुर्वेद) में स्नातक डिग्री हो।”

[फा. सं. के. 11020/3/2000/डीसीसी/(आयुष)]

शिव बसंत, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम अधिसूचना सं एफ. 28-10/45 एच(1) दिनांक 21 दिसंबर, 1945 के तहत राजपत्र में प्रकाशित किए गए जिनमें अंतिम संशोधन सं. सा.का.नि. 463(अ)दिनांक 8 जुलाई, 2005 द्वारा किया गया।

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Ayurveda, Yoga & Naturopathy, Unani, Siddha and Homoeopathy)

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th November, 2005

G.S.R. 674 (E).—Whereas a draft of certain rules further to amend the Drugs and Cosmetic Rules 1945 was published as required by Section 33-N of the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940) in the Gazette of India Extraordinary Part-II, Section 3, Sub-section (i) dated 25th May 2005 *vide* No. GSR 334 (E) dated 25-5-2005 and suggestions from persons likely to be affected hereby the expiry of 30 days from the date on which copies of the Official Gazette containing the notification were made available to the public;

And whereas the said Gazette Notification was made available to the public on 25th May 2005.

And whereas objections and suggestions from the public on the said draft have been considered by the Central Government. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 33-N of the said Act, the Central Government, hereby makes the following further amendments in the Drugs and Cosmetics Rules 1945, namely :—

RULES

1. (1) These rules may be called the Drugs and Cosmetics (VII-amendment) Rule, 2005.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
 2. In the Drug and Cosmetics Rules, 1945;
- In Rule 160B in Sub-rule (2), in clause (ii), for sub-clause (b), the following shall be substituted for testing and analysis of Ayurveda, Siddha & Unani drugs namely ;
- “(i) Expert in Ayurveda or Siddha or Unani medicine who possesses a degree qualification recognized under Schedule II of Indian Medicine Central Council Act, 1970;
 - (ii) Chemist, who shall possess at least Bachelor Degree in Science or Pharmacy or Pharmacy (Ayurveda) awarded by a recognized University;
- and
- (iii) Botanist (Pharmacognosist), who shall possess at least Bachelor Degree in Science (Medical) or Pharmacy or Pharmacy (Ayurveda) awarded by a recognized University.”

[F. No. K-11020/3/2000/DCC(AYUSH)]

SHIV BASANT, Jt. Secy.

Foot Note :—The principal rules were published in the Official Gazette *vide* Notification No. F-28-10/45-H(I) dated the 21st December, 1945 and last amended *vide* No. GSR 463(E) dated 8th July, 2005.